

प्रेषक,

अरविन्द सिंह ह्याँकी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक,
उत्तराखण्ड जल संस्थान,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 26 मार्च, 2012

विषय :- जनपद पौड़ी के 04 प्राथमिक विद्यालयों को पेयजल से संतृप्त किये जाने हेतु संशोधित आगणन के अनुसार धनराशि अवमुक्ति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 8096/अप्रै0-03/विद्यालय पे0व्य0/2011-12 दिनांक 24.02.2012 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद पौड़ी के प्राथमिक विद्यालय बोंदर, हरुली, बोरगांव एवं दिखोली को पेयजल से संतृप्त किये जाने हेतु पूर्व में स्वीकृत/अनुमोदित प्राक्कलनों के अनुसार प्रस्तावित जल स्रोतों में विवाद/स्रोत समाप्त होने के फलस्वरूप आप द्वारा गठित संशोधित आगणन क्रमशः ₹ 4.64 लाख, ₹ 2.88 लाख, ₹ 1.68 लाख एवं ₹ 5.07 लाख पर टी0ए0सी0 वित्त विभाग द्वारा औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि क्रमशः ₹ 4.44 लाख, ₹ 2.73 लाख, ₹ 1.56 लाख एवं ₹ 4.86 लाख में से शासनादेश संख्या 1154/उन्तीस(2)/11-2(30पे0)/2011टी0सी0-IV दिनांक 11.08.2011 द्वारा पूर्व में स्वीकृत धनराशि ₹ 0.92 लाख (क्रमांक-97), ₹ 0.57 लाख (क्रमांक-43) एवं ₹ 0.49 लाख (क्रमांक-42) तथा शासनादेश संख्या 1153/उन्तीस(2)/11-2(30पे0)/2011 टी0सी0-।। दिनांक 11.08.2011 द्वारा पूर्व में स्वीकृत धनराशि ₹ 0.97 लाख (क्रमांक-108) का समायोजन करते हुए क्रमशः ₹ 3.52 लाख, ₹ 2.16 लाख, ₹ 1.07 लाख एवं ₹ 3.89 लाख अर्थात् कुल ₹ 10.64 लाख (₹ दस लाख चौसठ हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

2. स्वीकृत धनराशि का आहरण मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल देहरादून के कोषागार में प्रस्तुत करके किया जायेगा। मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान धनराशि आहरण के पश्चात प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम को उनके द्वारा संतृप्त किये जाने वाले विद्यालयों हेतु धनराशि अपने स्तर से हस्तान्तरित करेगे। आहरण से सम्बन्धित बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को तत्काल उपलब्ध कराई जाय।

3. शासनादेश की अन्य शर्तें पूर्व निर्गत शासनादेशों के अनुरूप ही रहेगा। समयान्तर्गत सम्बन्धित विद्यालयों को पेयजल से पूर्ण रूप से संतृप्त करते हुए शासन एवं निदेशक, विद्यालयी शिक्षा को भी आवश्यक रूप से अवगत कराया जाय। कार्य अनुमोदित आगणन के सापेक्ष ही किया जाना होगा। अर्थात् आगणन पुनरीक्षण नहीं किया जायेगा।

4. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या-13 के लेखाशीर्षक-4215-जलपूर्ति तथा सफाई पर पूंजीगत परियोजना-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-102-ग्रामीण जलपूर्ति-03-ग्रामीण पेयजल सेक्टर-00-35-पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान के नामें डाला जायेगा।

5. यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०- 214/XXVII (2)/2012 दिनांक 23 मार्च, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अरविन्द सिंह ह्याँकी)

अपर सचिव

पृ०सं० 238 (1) /उन्तीस (2)/12-2(30पे०)/2011 टी०सी०-।। तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।
3. सचिव, विद्यालयी शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी, देहरादून उत्तराखण्ड।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. प्रभारी प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2/वित्त (बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ।
8. बजट अधिकारी (बजट निदेशालय), उत्तराखण्ड।
9. प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेंटर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. निजी सचिव, मा० पेयजल मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
11. स्टाफ ऑफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
12. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 13. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
14. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव